राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

खबरें बे-रोकटोक

वर्ष 07 | अंक 01 | मुंबई : बुधवार 05 नवंबर 2025 से 11 नवंबर 2025 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

महाराष्ट्र नगर परिषद और पंचायत चुनाव की तारीखों का ऐलान

2 दिसंबर को मतदान, इस दिन आएंगे परिणाम...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र स्टेट इलेक्शन कमीशन की ओर से अगले चरण के स्थानीय निकाय चुनावों की तारीखों व प्रक्रिया का एलान कर दिया गया है. जी हां महाराष्ट्र में होने वाले एमसीडी और पंचायत चुनाव की तारीखों से पर्दा उठ गया है.

बता दें कि एसईसी के मुताबिक 2 दिसंबर को इन दोनों ही चुनाव के लिए मतदान होगा. जबकि 3 दिसंबर को इन चुनावों के नतीजे सामने आ जाएंगे. बता दें कि ये चुनाव सिर्फ नगर-परिषदों और नगर-पंचायतों तक सीमित हैं, महानगरपालिका व जिला परिषदों के चुनाव अभी घोषित नहीं हुए हैं.

चुनाव में कितने मतदाता

मतदाता सूची और केंद्र-प्रमाण व्यवस्था पर विशेष ध्यान है. कुल लगभग 1.60 करोड़ मतदाता, और 13,155 मतदान केंद्र तैयार किए जाएंगे. अध्यक्ष पद के लिए खर्च की सीमा 15 लाख रुपए, सदस्य पद के लिए 12 लाख रुपए तय की गई है.

डबल स्टार्ट अलर्ट

बता दें कि चुनाव के लिए एक मोबाइल एप तैयार किया गया है जिसमें उम्मीदवारों-मतदाताओं की जानकारी होगी. इसके जरिए मतदाता-डुप्लीकेट की संभावना कम

करने के लिए 'डबल स्टार अलर्ट' नामक टूल लागू होगा. ऐसे में कोई मतदाता दो स्थानों पर सूचीबद्ध पाया गया, तो मतदान के समय विशेष डिक्लेरेशन (घोषणा) ली जाएगी.

चुनाव अधिकारी और कर्मियों की तैनाती भी पहले ही शुरू हो गई है. राज्य-भर में 288 चुनाव अधिकारी व 66,775 कर्मचारियों को काम सौंपा गया है.

क्यों ये चुनाव अभी-अभी हो रहे हैं?

इससे पहले एएउ ने यह स्पष्ट किया है कि महाराष्ट्र में स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं-के चुनाव काफी समय से लंबित थे. राज्य-उच्च न्यायालय व अन्य कानूनी प्रकरणों के कारण देरी हुई थी. इसी क्रम में एएउ ने निर्धारित किया है कि न्यपालिका व राष्ट्रीय दिशा-निदेर्शों के अनुरूप चुनाव प्रक्रिया को समय-बद्ध व शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न करना जरूरी है.

कब और कहाँ मतदान होगा?

1. 2 दिसंबर 2025 को 246 नगर-परिषदों में मतदान होगा.
2. 42 उन नगर-पंचायतों में भी चुनाव होंगे जिनका कार्यकाल पूरा हो चुका है.
3. 10 नवंबर से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी.
4. 17 नवंबर नामांकन की अंतिम तिथि है.
5. 18 नवंबर को नामांकन की जांच होगी
6. 21 नवंबर तक बिना अपीली मामलों में
7. 25 नवंबर तक अपीली मामलों में नाम वापस लिए जा सकेंगे.
8. चुनाव चिन्ह का आवंटन 26 नवंबर को होगा.

'वोट जिहाद' बनाम 'वोट घोटाला':

मनसे ने इफ्तार पार्टी का फोटो दिखाकर बीजेपी पर साधा निशाना

मुंबई : महाराष्ट्र में फर्जी मतदाता सूची और 'वोट जिहाद' को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के नेता संदीप देशपांडे ने बीजेपी विधायक अमित साटम के 'वोट जिहाद' के आरोपों पर पलटवार करते हुए बीजेपी पर ही निशाना साधा है। दरअसल, मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे और महा विकास अघाड़ी (MVA) के नेताओं ने चुनाव आयोग पर मतदाता सूची में गड़बड़ी और 'वोट चोरी' (मतचोरी) का आरोप लगाया था। इस पर पलटवार करते हुए मुंबई बीजेपी अध्यक्ष और विधायक अमित साटम ने विपक्षी दलों से सवाल किया था, ''बताओ, यह मत चोरी है या 'वोट जिहाद'?'' उन्होंने धुले, बीड, अमरावती, मुंबई उत्तर और मुंबई उत्तर-पूर्व समेत महाराष्ट्र की पांच लोकसभा सीटों पर कथित मुस्लिम दोहरे वोटों के आंकड़े भी साझा किए थे।

मनसे का करारा जवाब

अमित साटम के इन आरोपों के जवाब में मनसे नेता संदीप देशपांडे ने बीजेपी के वरिष्ठ नेता आशीष शेलार का एक पुराना फोटो सोशल मीडिया पर साझा किया। यह फोटो एक इफ्तार पार्टी का बताया जा रहा है। देशपांडे ने यह फोटो शेयर करते हुए लिखा, ''खास अशिशुद्दीन के लिए, अमित साटम के निर्वाचन क्षेत्र में फजीर्वाड़ा घोटाला।'' इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि यह लिस्ट खुद साटम के विधानसभा क्षेत्र के फर्जी मतदाताओं की है।

'आशीष शेलार को आयोग का प्रवक्ता घोषित करें'

इस विवाद में मनसे प्रवक्ता गजानन काले ने भी एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने केंद्रीय चुनाव आयोग को टैग करते हुए अजीबोगरीब मांग की है। काले ने कहा कि मनसे जब भी मतदाता सूची, फर्जी मतदाता या दोहरे मतदाताओं पर सवाल उठाती है, तो बीजेपी के नेता चुनाव आयोग का बचाव करने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे स्पष्ट होता है कि ''भारतीय जनता पार्टी का असली जीवन मतदाता सूची में है।'' मनसे नेता ने मांग की कि चुनाव आयोग को बीजेपी नेता आशीष शेलार को अपना ''आधिकारिक प्रवक्ता'' घोषित कर देना चाहिए।

निकाय चुनाव से ठीक पहले देवेंद्र फडणवीस का बड़ा दांव...

शरद पवार से उद्धव तक सबके लिए मुश्किल

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में नगर निकाय चुनाव की घोषणा से कुछ ही घंटे पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सियासी शतरंज की बिसात पर बड़ा दांव चल दिया. महाराष्ट्र कैबिनेट ने एक साथ 21 अहम फैसलों पर मुहर लगाई है.

ये फैसले न सिर्फ प्रशासनिक हैं, बल्कि राजनीतिक नजरिए से भी बेहद अहम माने जा रहे हैं. इनसे सरकार ने जनता, किसानों, मजदूरों, कर्मचारियों, अल्पसंख्यकों और न्यायिक ढांचे, सभी वर्गों को साधने की कोशिश की है. राज्य चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस से महज चार घंटे पहले हुई इस बैठक की टाइमिंग ही बता देती है कि बीजेपी और फडणवीस सरकार चुनावी मोड में आ चुकी है. यह फैसले महावकिास अघाड़ी के नेताओं शरद पवार, उद्धव ठाकरे के एक बड़े वोट बैंक को अपने ओर खींचने की कोशशि भी बताए जा रहे हैं.

कैबिनेट के सबसे अहम फैसलों में महात्मा ज्योतिराव फुले जन

आरोग्य योजना और आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत इलाज की लिस्ट में बड़ा सुधार शामिल है. यानी अब और ज्यादा बीमारियां इन योजनाओं में कवर होंगी. यह महाराष्ट्र के हर वर्ग को सीधा फायदा पहुंचाने वाला फैसला है. साथ ही, आयुष्मान कार्ड बनाने और बांटने वाले फ्रंटलाइन वर्कर्स का मानदेय बढ़ाने का फैसला भी किया गया है. यह कदम सीधे तौर पर स्वास्थ्य कर्मियों और मध्य वर्गीय परिवारों को राहत देने वाला माना जा रहा है.

आवास योजना में राहत, गरीबों के लिए खुशखबरी

सोलापुर जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए जा रहे 30 हजार घरों के लिए सरकार ने टैक्स और चार्जेज में बड़ा डिस्काउंट दिया है. इसमें अनर्जित अमाउंट, प्रीमियम फीस और नॉन-अग्रिकल्चरल टैक्स में पूरी तरह छूट दे दी गई है. यह राहत न सिर्फ मजदूर वर्ग को फायदा देगी, बल्कि ग्रामीण और शहरी गरीबों के वोट बैंक को भी प्रभावित करेगी. सरकार ने वाशिम जिले में भक्त निवास और यात्रियों की सुविधाओं के लिए जमीन मुफ्त देने का भी फैसला किया है. यह धार्मिक और ग्रामीण भावनाओं को छूने वाला कदम है.

मछुआरों और किसानों को तोहफा

मत्स्य व्यवसाय को कृषि के समान दर्जा मिलने के बाद अब सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए मछुआरों और मत्स्यपालकों को 4% ब्याज सब्सिडी देने की मंजूरी दी है. मतलब, जो लोग बैंक से अल्पकालिक कर्ज लेते हैं, उन्हें ब्याज पर सीधी छूट मिलेगी.

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

घुसपैठिए हैं तो भगाओ उन्हें

बिहार में प्रथम मतदान तीन दिन बाद है। माहौल खूब तप चुका है। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने इस चुनाव में भी घुसपैठियों का मुद्दा शिद्दत से उठाया है। देश के प्रथम गृहमंत्री एवं लौह पुरुष सरदार पटेल की जन्म जयंती 31 अक्तूबर को थी। उसे हम 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के तौर पर मनाते हैं। उसी दिन प्रधानमंत्री मोदी ने घुसपैठ या अवैध प्रवास को 'राष्ट्रीय एकता और सुरक्षा के लिए खतरा' करार दिया। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि वोट बैंक के लिए सरकारों ने घुसपैठ के प्रति आंखें मूंद रखी हैं और देश की जनसांख्यिकी बदल रही है। उन्होंने प्रत्यक्ष तौर पर मुसलमानों को लक्षित नहीं किया, लेकिन गृहमंत्री ने कहा कि मुस्लिम आबादी 24.6 फीसदी हो गई है। अर्थात देश में मुसलमान 35-36 करोड़ से अधिक हैं। गृहमंत्री ने तल्खी से कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है। मुस्लिम आबादी ही घुसपैठिए हैं, यकीन नहीं होता, क्योंकि बीते दिनों नाइजीरिया, युगांडा, रवांडा, नेपाल आदि देशों के भी अवैध प्रवासियों को उनके देश वापस भेजा गया है। बांग्लादेशी घुसपैठियों का आंकड़ा हम 1975-76 से सुनते आ रहे हैं कि करीब 2 करोड़ बांग्लादेशी हमारे देश में हैं। यह आरएसएस और जनसंघ का बुनियादी, वैचारिक, राजनीतिक मुद्दा रहा है। 2016 में केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने एक सवाल के जवाब में संसद को बताया था कि घुसपैठियों की संख्या 2 करोड़ से अधिक है। उनकी गणना मुश्किल है, क्योंकि उनके पास वैध, सरकारी दस्तावेज हैं, बेशक अवैध तरीके से हैं। 2004 में यूपीए सरकार के गृह राज्यमंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने संसद में खुलासा किया था कि देश में 1.2 करोड़ बांग्लादेशी अवैध प्रवासी हैं। गौरतलब है कि तत्कालीन भारत सरकार ने उन्हें 'घुसपैठिए' करार नहीं दिया था। मौजूदा गृह मंत्रालय का यह भी डाटा है कि देश में 40,000 से अधिक रोहिंग्या मुसलमान भी हैं, जो जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, उप्र, राजस्थान और तेलंगाना आदि राज्यों में फैले हैं। रोहिंग्या की अधिकतर घुसपैठ म्यांमार और बांग्लादेश से होती रही है। सवाल यह है कि यदि देश में इतने घुसपैठिए हैं और प्रधानमंत्री अलग-अलग चुनावों में, बार-बार, यह मुद्दा उठाते रहे हैं, स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से 'नेशनल डेमोग्राफी मिशन' की घोषणा भी की थी, तो इन घुसपैठियों को देश से बाहर निकालने में सरकार अभी तक नाकाम क्यों रही है? घुसपैठ एक राष्ट्रीय समस्या है अथवा सियासी संग्राम है या देश की सुरक्षा के लिए वे वाकई खतरा हैं, यथार्थ क्या है?

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

नशा हटाओ, जीवन बचाओ !

अंधेरी ईस्ट में 'लव केयर एंड ब्लेसिंग फाउंडेशन' और ब्रह्माकुमारीज ने चलाया जागरूकता अभियान

मुंबई: ''नशा आपको खत्म करे, उससे पहले आप नशा छोड़ दें'' के सशक्त संदेश के साथ, अंधेरी ईस्ट के सहारा रोड पर एक महत्वपूर्ण नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया गया। इस पहल में 'लव केयर एंड ब्लेसिंग फाउंडेशन' के संस्थापक मजहर रिजवी ने ब्रह्माकुमारीज फाउंडेशन की प्यारी बहनों के साथ मिलकर युवाओं और समाज को नशे के घातक परिणामों के प्रति जागरूक किया।

एकता और करुणा का प्रदर्शन

यह अभियान नशाखोरी के खिलाफ समाज के विभिन्न वर्गों की एकजुटता का एक शानदार उदाहरण था। मजहर रिजवी ने इस दौरान जोर देकर कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने अपने फाउंडेशन के माध्यम से लोगों को प्यार, देखभालऔर आशीर्वाद के साथ नशे की दलदल से बाहर निकालने के संकल्प को दोहराया। ब्रह्माकुमारीज संस्था की बहनों ने लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि सकारात्मक सोच और आत्मिक शक्ति ही नशे के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार है। उन्होंने राजयोग और ध्यान के महत्व पर प्रकाश डाला, जो मानसिक शांति प्रदान कर नशे की लत से मुक्ति दिलाने में सहायक हो सकता है।

सड़क पर गूंजा 'नशा मुक्त भारत' का संदेश

अंधेरी ईस्ट के सहार रोड जैसे व्यस्त इलाके में यह अभियान चलाया गया ताकि अधिक से अधिक लोगों तक संदेश पहुंचाया जा सके। अभियान के तहत बैनर और पोस्टर प्रदर्शित किए गए, जिन पर नशा छोड़ने और स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करने वाले संदेश लिखे थे। संस्थापकों और ब्रह्माकुमारी बहनों ने राहगीरों से बातचीत की और उन्हें नशे के जाल में फँसे लोगों की मदद के लिए आगे आने का आग्रह किया।

इस संयुक्त पहल ने स्पष्ट कर दिया कि यदि समाज एकजुट होकर इस सामाजिक बुराई के खिलाफ खड़ा हो जाए, तो नशा मुक्त भारत का सपना साकार किया जा सकता है। यदि आप चाहते हैं कि मैं इस लेख को किसी अन्य माध्यम (जैसे - सोशल मीडिया पोस्ट या प्रेस रिलीज) के लिए लिखूँ, तो कृपया बताएं।

मुंबई : निमार्णाधीन इमारत में लोहे की रॉड सिर पर गिरने से 19 वर्षीय एक मजदूर की मौत;

ठेकेदार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

मुंबई : भांडुप में एक निमार्णाधीन इमारत में लोहे की रॉड सिर पर गिरने से 19 वर्षीय एक मजदूर की मौत के लगभग दो सप्ताह बाद, पुलिस ने संबंधित ठेकेदार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। मजदूर पर लोहे की रॉड गिरने के 15 दिन बाद, ठेकेदार पर लापरवाही का मामला दर्ज भांडुप पुलिस के अनुसार, घाटकोपर स्थित राजावाड़ी अस्पताल ने उन्हें 18 अक्टूबर को सूचित किया कि मृतक, कांदिवली निवासी मिथुन राजावाली केवट, को अस्पताल लाया गया था और इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने आगे बताया कि केवट भांडुप के गढ़व नाका में बन रहे श्रद्धा क्लासिक टावर के निर्माण स्थल पर टाइल लगाने के काम की देखरेख कर रहे थे। उस समय, पुलिस ने मामले में एक आकस्मिक रिपोर्ट दर्ज की थी, लेकिन जाँच में पता चला कि लिफ्ट वाले हिस्से से उसके सिर पर लोहे की रॉड गिर गई थी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ''पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में रक्तस्राव और सिर में चोट लगने के कारण सदमे से मौत का उल्लेख है।''

पुलिस के अनुसार, निर्दोष रमेश पटेल की कंपनी खोडल एंटरप्राइजेज, श्रद्धा क्लासिक्स बिल्डिंग में टाइल्स की आपूर्ति के लिए ज़िम्मेदार थी। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''पटेल ने टाइल्स को ऊपरी मंजिलों तक ले जाने के लिए एक लिफ्ट लगाई थी और लिफ्ट के रखरखाव की ज़िम्मेदारी उनकी थी।'' पुलिस ने इस घटना के लिए पटेल को ज़िम्मेदार ठहराते हुए, उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 (लापरवाही से मौत का कारण बनना) और धारा 290 (इमारत के विध्वंस, मरम्मत या निर्माण के दौरान लापरवाही से मानव जीवन को खतरा पैदा करना) के तहत मामला दर्ज किया है।

मुंबई : मंत्री छगन भुजबल की हार्ट बाईपास सर्जरी...

पूरी तरह आराम करने की सलाह

मुंबई : खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल की बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित एशियन हार्ट इंस्टीट्यूट में हृदय की बाईपास सर्जरी हुई। 78 वर्षीय राकांपा नेता, जो पिछले दो महीनों से बेचैनी महसूस कर रहे थे, उनके परिवार ने विस्तृत हृदय जांच कराने की सलाह दी थी। सूत्रों ने बताया कि आगामी कुंभ मेले पर एक बैठक में भाग लेने के बाद, भुजबल को जसलोक अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उनके लंबे समय से चिकित्सक डॉ. अश्विन मेहता ने उनकी जाँच की और बाईपास सर्जरी की सलाह दी।

अस्पताल से जुड़े सूत्रों ने बताया कि भुजबल को जसलोक अस्पताल में एंजियोग्राम कराने के एक दिन बाद एशियन हार्ट इंस्टीट्यूट में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के एक सूत्र ने कहा, ''एंजियोग्राम से तीन अलग-अलग धमनियों में तीन रुकावटों का पता चला। हालाँकि उनकी हालत स्थिर थी, लेकिन डॉक्टरों को सर्जरी करने के लिए चार दिन इंतजार करना पड़ा क्योंकि उन्हें रक्त पतला करने वाली दोहरी दवा दी जा रही थी।'' यह सर्जरी प्रसिद्ध हृदय शल्य चिकित्सक डॉ. रमाकांत पांडा और उनकी टीम ने की। भुजबल के भतीजे समीर भुजबल ने कहा, ''मेरे चाचा दो-तीन दिन तक आईसीयू में रहेंगे और उसके बाद उन्हें सामान्य कमरे में ले जाया जाएगा। उनके महत्वपूर्ण पैरामीटर सामान्य हैं।'' भुजबल के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि उन्हें पूरी तरह आराम करने की सलाह दी गई है और फिलहाल वे किसी से भी नहीं मिलेंगे।

सेहतमंद रहने के लिए बेहद जरूरी है यह मिनरल, मिलते हैं ये 3 फायदे

सोडियम और कैल्शियम जैसे मिनरल्स के बारे में तो आप सभी जानते होंगे लेकिन क्या आपको मालूम है कि मैग्निशियम हमारे शरीर के लिए क्यों जरूरी है।

सेहतमंद रहने के लिए हमें कई तरह की विटामिन और मिनरल्स की जरूरत पड़ती है, अधिकतर हम कैल्शियम, सोडियम आयरन को ही तरजीह देते हैं, लेकिन आपको बता दें कि मैग्नीशियम भी हमारी सेहत के लिए उतना ही जरूरी है इसकी कमी के कारण कई तरह की समस्याएं हो सकती है। मैग्नीशियमसे हमें क्या क्या-फायदे हो सकत हैं, इस बारे में आइए जानते हैं।

मैग्निशियम हमारे लिए क्यों जरूरी है

सोडियम कैल्शियम और पोटेशियम के बाद मैग्नीशियमफोर्थ मोस्ट कॉमन मिनरल है, इससे न सिर्फ मसल्स को फायदा होता है बल्कि इससे नर्व फंक्शन और बोन फॉरमेशन करने में भी मदद मिलती है। यह बोन स्ट्रक्चर और उम्र बढ़ाने के साथ बोन डेंसिटी को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके साथ ही यह एंग्जाइटी, इनसोम्निया, माइग्रेन मैं भी मदद कर सकता है। यह नर्वस सिस्टम को शांत करता है और ब्रेन को आराम देने में मदद करता है, जिससे कोर्टिसोललेवल कम होता है। रोजाना हमें 200 ग्राम से 300 ग्राम तक मैग्नीशियम की जरूरत होती है। एक्सपर्ट बताते है कि अगर आपके शरीर में विटामिन डी की कमी है, आप एंटाएसिड पर रहते हैं, आपको क्रॉनिक डायरिया है अल्कोहल का सेवन करते हैं और स्मोकिंग करते हैं तो इससे मैग्नीशियम का अब्जॉर्प्शन नहीं हो पाता है।

मैग्नीशियम के सोर्स

नट्स जैसे बादाम, अखरोट, काजू, कद्दू के बीज, एवोकाडो, पालक या हरी पत्तेदार सब्जियों में मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा होती है।

क्या आप भी वजन घटाना चाहती हैं? तो पिस्ता को अपनी डाइट में शामिल कर सकती हैं। आइए, यहां जानते हैं कि एक दिन में कितने पिस्ता खाने से वजन घटाने में मदद मिल सकती है।

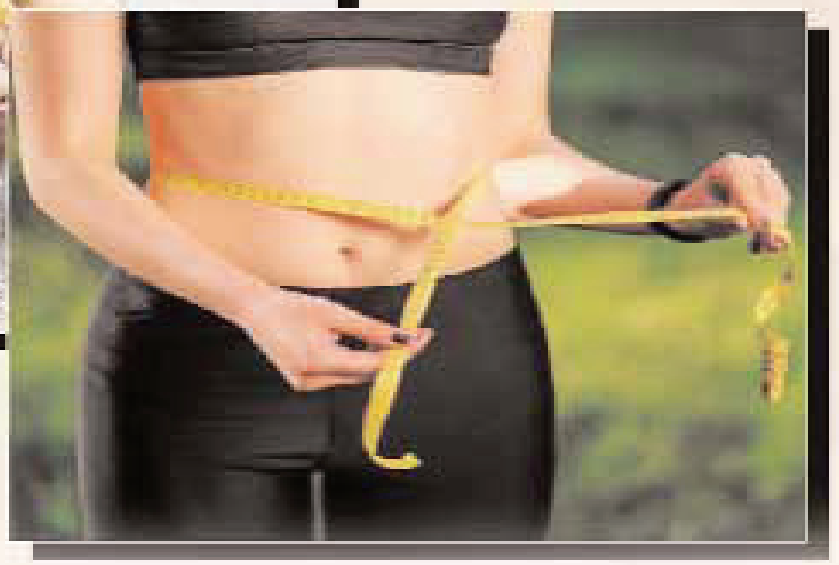

एक दिन में इतने पिस्ता खाने से घट सकता है वजन, एक्सपर्ट से जानें

ड्राई फ्रूट्स को हेल्थ के लिए हमेशा फायदेमंद माना जाता है। हेल्दी ड्राइफ्रूट्स में बादाम, अखरोट और काजू की सबसे ज्यादा बात की जाती है। लेकिन बहुत कम लोग ही जानते हैं कि पिस्ता गुणों की खादान है। पिस्ता सिर्फ हेल्थ के लिए फायदेमंद ही नहीं, बल्कि वजन मैनेज में भी मदद करता है। पिस्ता में ऐसे फाइबर कंटेंट होते हैं जो फूड क्रेविंग्स और भूख को कंट्रोल करते हैं, जिससे वजन को मेंटेन करने में मदद मिलती है।

ऐसे तो सोशल मीडिया पर वजन मैंटेन करने के लिए कई सारे टिप्स मौजूद हैं, जिसमें तरह-तरह के नट्स और ड्राईफ्रूट्स खाने की सलाह दी जाती है। लेकिन पिस्ता में दूसरे ड्राईफ्रूट्स के मुकाबले कम कैलोरीज होती हैं, जो वजन को मैनेज करने में मदद करती है। अब सवाल उठता है कि वजन मैनेज करने के लिए एक दिन में कितना पिस्ता खाना चाहिए, इसके लिए हमने एक्सपर्ट से बात की है। एक्सपर्ट के मुताबिक, पिस्ता एक बेहतरीन हेल्दी स्नेक है। पिस्ता खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो अपना वजन मैनेज करना चाहते हैं। पिस्ता खाने से कंपलीट हाई क्वालिटी प्लांट प्रोटीन मिलता है, जो एक जरूरी मैक्रोन्यूट्रियंट है। वजन कंट्रोल करने में पिस्ता मददगार साबित हो सकता है।

एक्सपर्ट के मुताबिक, पिस्ता में प्रोटीन, फाइबर और हेल्दी फैट्स मौजूद होते हैं, जो आपको फुल महसूस कराते हैं। इससे आप अपने खाने की मात्रा को कंट्रोल कर सकते हैं और ओवर इटिंग से भी बच सकते हैं।

पिस्ता को लेकर कई तरह की रिसर्च सामने आ चुकी हैं, जिनमें पिस्ता को बेहतरीन स्नेक बताया गया है। क्योंकि इसमें मौजूद तत्वों से डाइजेशन स्लो होता है और भूख भी कम लगती है। नाश्ते और लंच के बीच लगने वाली भूख के लिए पिस्ता एक बेहतरीन स्नेक की तरह हो सकता है।

एक दिन में कितना पिस्ता खाएं?

एक्सपर्ट के मुताबिक, 28 ग्राम कैलिफोर्निया पिस्ता में 6 ग्राम प्रोटीन और 3 ग्राम फाइबर मिलता है। एक दिन में लगभग 28 ग्राम पिस्ता खाना आपको वजन मैंटेन करने में मदद कर सकता है। पिस्ता में 30 तरह के जरूरी न्यूट्रियंट्स होते हैं और 90 पर्सेंट अनसेचुरेटेड हार्ट-हेल्दी फैट मौजूद होते हैं।

पिस्ता खाने के फायदे

- पिस्ता बॉडी मास इंडेक्स कंट्रोल करने में भी मदद करता है। पिस्ता को लिमिट और कंट्रोल तरह से खाने से वजन के साथ-साथ लटकता पेट भी कम हो सकता है।
- पिस्ता वजन घटाने के साथ-साथ दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। इससे ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रोल लेवल कंट्रोल में रहते हैं, जिससे दिल की तंदरुस्ती बनी रहती है.
- पिस्ता को आंखों के लिए भी अच्छा माना जाता है। पिस्ता में एक ऐसा तत्व मौजूद होता है, जो आंखों की रोशनी तेज करने में मदद कर सकता है।
- पिस्ता में मौजूद तत्व, डायबिटीज और हाई ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में भी मदद करते हैं।
- पिस्ता में मेमलाटोनिन नाम का एक तत्व होता है जो नींद की समस्या को दूर करता है. साथ ही पिस्ता में कई ऐसे तत्व होते हैं जो मौसमी बीमारियों से भी शरीर को बचाते हैं।

क्यों दूसरे ड्राईफ्रूट्स के बीच पिस्ता चुनें?

जब भी ड्राईफ्रूट्स या नट्स की बात आती है, तो ज्यादातर लोगों की पसंद बादाम और अखरोट रहते हैं. लेकिन पिस्ता में सबसे कम कैलोरी होती होती है। कम कैलोरी होने की वजह से आप इसे खाना फायदेमंद हो सकता है. एक पिस्ता में सिर्फ 3 कैलोरी होती है, वहीं एक बादाम में 10 कैलोरी मौजूद होती है। पिस्ता में मिनरल्स के साथ-साथ विटामिन बी भी मौजूद होता है। बादाम के बाद हरे नट्स में सबसे ज्यादा प्रोटीन पाया जाता है।

क्या पिस्ता बढ़ा सकता है वजन?

पिस्ता खाने के अनेकों फायदे हैं, लेकिन किसी भी चीज को लिमिट से ज्यादा खाना नुकसान पहुंचा सकता है। पिस्ता भी अगर लिमिट में खाया जाए तो वह शरीर का वजन नहीं बढ़ाता है और हेल्थ के लिए भी फायदेमंद रहता है। पिस्ता को लिमिट में खाने के लिए ऐसी सलाह दी जाती है कि इसे शेल वाला पिस्ता यानी बिना छिले हुए पिस्ता लेने चाहिए।

सेहत के लिए बेहद लाभकारी है यह लाल फल

नाशपाती तो आप सभी ने खाई होगी। यह मानसून में खूब मिलता है। खट्टा मीठा स्वाद इसका खूब पसंद आता है। अमूमन लोग हरे या पीले कलर की नाशपाती खाते हैं लेकिन क्या आपको मालूम है कि लाल रंग की भी नाशपाती होती है,जो की सेहत को काफी ज्यादा फायदा पहुंचती है।

लाल नाशपाती खाने के फायदे

लाल नाशपाती खाने से दिल के सेहत को बनाए रखने में मदद मिलती है इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट हानिकारक मुक्त कणों को भी असर करने में मदद करते हैं ऑक्सीडेटिव छाती और सूजन को रोकते हैं जो हृदय रोग में योगदान कर सकते हैं।

लाल नाशपाती खाने से पाचन तंत्र को भी स्वस्थ बनाए रखने में मदद मिलती है इसमें उच्च मात्रा में फाइबर होता है जो आंतो की गतिशीलता को सुधरता है गैस कब्ज जैसी समस्याओं से छुटकारा दिलाता है।

इसे खाने से त्वचा को भी फायदा मिलता है विटामिन सी और फ्लेवोनॉयड से भरपूर लाल नाशपाती त्वचा को मुक्त कणों से बचते हैं उम्र बढ़ने के संकेतों को कम करने में सहायक होते हैं।

लाल नाशपाती में कैलोरी की बहुत कम मात्रा होती है और इसकी उच्च फाइबर सामग्री वजन नियंत्रित करने में सहायक हो सकती है जब आप फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ कहते हैं तो आपको भूख बार-बार नहीं लगती है और कम खाने से आपका वजन कम हो सकता है। इससे आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है यह शरीर को संक्रमण और बीमारियों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है इसमें विटामिन के होता है जो हड्डियों के लिए काफी जरूरी है पोटेशियम होता है जो शरीर में फ्लूड संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

दिंडोशी विधानसभा के लोकप्रिय आमदार सुनील प्रभु जी के करकमलों द्वारा 'युगवार्ता मंथन' अखबार का भव्य विमोचन

संवाददाता

मुंबई । गोरेगांव पूर्व स्थित आमदार सुनील प्रभु जी के जनसंपर्क कार्यालय में बहुभाषिक समाचारपत्र 'युगवार्ता मंथन' का भव्य विमोचन संपन्न हुआ। समाज की सच्ची और निष्पक्ष आवाज को मराठी, हिन्दी और अंग्रेजी – तीनों भाषाओं में एक साथ पहुँचाने के उद्देश्य से शुरू किए गए इस अखबार का विमोचन दिंडोशी विधानसभा के लोकप्रिय आमदार सुनील प्रभु जी के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर समाजसेवक राजेश पाल जी, संरक्षक बिरेन्द्र पांडेय, तथा वरिष्ठ पत्रकार ओ.पी. तिवारी, मेट्रो दिनांक

की मुद्रक मंजू तिवारी, प्रधान संपादक और राष्ट्रीय पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष- दीनानाथ तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार शिवशंकर तिवारी, अभिमान भारत के संपादक संतोष तिवारी, सुप्रीम समाचार के संपादक - रितेश तिवारी, वरिष्ठ पत्रकारों में भास्कर तिवारी, गीतेश दवे, सत्यप्रकाश सोनी, अरुण गुप्ता, राजकिशोर तिवारी, जटाशंकर तिवारी, प्रमोद यादव, विनय दुबे, धनुधारी यादव, अष्टानन्द पांडेय, छोटेलाल शर्मा, सत्यप्रकाश तिवारी, प्रवीण राजगुरु, राजेंद्र माने, शिवप्रकाश सोनी, महेंद्र चौदरी, उमर अब्दुल्ला, अनिल जायसवाल, सुनील कनौजिया, सुनील गुप्ता, नवीन पांडे, संजय गुप्ता, बृजेश सिंह और शशिकांत मिश्रा भी उपस्थित रहे।

विमोचन के दौरान उपस्थित अतिथियों ने 'युगवार्ता मंथन' की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि तीन भाषाओं में समाचार प्रस्तुत करने का यह प्रयास निश्चित रूप से समाज के हर वर्ग तक सच्ची जानकारी पहुँचाने में एक नया अध्याय सिद्ध होगा। इस मौके पर 'युगवार्ता मंथन' की मालिक एवं संपादक पूजा पांडेय ने कहा कि यह अखबार पत्रकारिता के मूल्यों को जीवंत रखते हुए जनता की आवाज बनेगा। उन्होंने कहा कि ''हमारा उद्देश्य है कि हर व्यक्ति की बात, हर भाषा में सुनी जाए – यही 'युगवार्ता मंथन' का मकसद है।''

कार्यक्रम के अंत में पूजा पांडेय ने उपस्थित सभी अतिथियों, वरिष्ठ पत्रकारों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया और सभी से आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन की अपेक्षा की ताकि यह नया अखबार समाज में सच्ची पत्रकारिता की मिसाल बन सके।

मुंबई : महालक्ष्मी रेलवे ट्रैक पर शहर के पहले केबल-स्टेड ब्रिज का काम 45% पूरा

मुंबई : बीएमसी द्वारा महालक्ष्मी रेलवे ट्रैक पर शहर के पहले केबल-स्टेड ब्रिज का काम 45% पूरा हो गया है। यह प्रोजेक्ट मूल रूप से मार्च 2024 में पूरा होने वाला था, लेकिन अतिक्रमण और पेड़ों को हटाने की वजह से इसमें देरी हुई है, और अब नई टारगेट डेट दिसंबर 2026 तय की गई है। ब्रिज के डिजाइन के सेंटर में 70 मीटर ऊंचा एक पाइलन है, जो मेन सपोर्ट स्ट्रक्चर के तौर पर काम करेगा।

एक बार चालू होने के बाद, यह ब्रिज महालक्ष्मी स्टेशन के पास ट्रैफिक कम करेगा और हाजी अली से कोस्टल रोड की ओर जाने वाले ड्राइवरों के लिए पूर्व-पश्चिम कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा। ब्रिज महालक्ष्मी रेलवे ट्रैक के ऊपर से गुजरेगा यह ब्रिज पश्चिम में केशवराव खड्ये मार्ग पर रेसकोर्स की तरफ से शुरू होगा, वेस्टर्न रेलवे ट्रैक को पार करेगा, और केशवराव खड्ये मार्ग के पूर्वी हिस्से में शिरिन टॉकीज के पास खत्म होगा। बीएमसी ने जनवरी 2020 में वर्क ऑर्डर दिया था, और अगले महीने कंस्ट्रक्शन शुरू हो गया था।

मुंबई मेट्रो यात्रा के दौरान दिव्यांग यात्रियों को मासिक पास पर 25 प्रतिशत की छूट;

मुंबई: मुंबई में कफ परेड से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) तक अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन-3 का पूरा रूट शुरू हो गया है और इसे यात्रियों का जबरदस्त रिस्पांस मिला है। अंडरग्राउंड मेट्रो को शुरू हुए अभी एक महीना भी नहीं हुआ है। हालांकि यात्रियों की संख्या दोगुनी हो गई है। यह अंडरग्राउंड मेट्रो कई लोगों के लिए फायदेमंद रही है और इसने यात्रा को आरामदायक बनाने के साथ-साथ समय की भी बचत की है। ऐसे में मेट्रो ने एक और अहम फैसला लिया है।

दिव्यांग यात्रियों के लिए टिकट में छूट

हमारे सहयोगी की रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई मेट्रो यात्रा के दौरान दिव्यांग यात्रियों को 25 प्रतिशत की छूट देगी। यह छूट मासिक पास पर होगी। यह छूट अगले 10 दिनों में दी जाएगी।

'कम से कम 50 प्रतिशत की छूट दी जाए'

यह मांग करते हुए पत्र में लिखा गया है कि महोदय, विनम्र निवेदन है कि दिव्यांग यात्रियों को दी जाने वाली छूट उनकी दिव्यांगता के प्रतिशत के अनुसार निर्धारित की जाए। चूंकि मेट्रो 3 अभी पूरी तरह से सुलभ नहीं है, इसलिए यात्रा के लिए किसी साथी को साथ ले जाना पड़ता है। इसलिए कृपया कम से कम 50 प्रतिशत की छूट देने पर विचार करें। छूट देते समय दिव्यांगों की दिव्यांगता के प्रतिशत का ध्यान रखें और यूडीआईडी कार्ड पर दिव्यांगता का प्रतिशत देखकर ही छूट दें। यह कम से कम 50 प्रतिशत होनी चाहिए। इससे बहुत लाभ होगा।

मुंबई–पुणे राजमार्ग पर आवारा कुत्ते से बचने के चक्कर में, 20 वर्षीय युवक की मौत

मुंबई : लोनावला की सप्ताहांत यात्रा एक 20 वर्षीय युवक के लिए दुखद साबित हुई जब उसकी मोटरसाइकिल पुराने मुंबई-पुणे राजमार्ग पर वारवई गाँव के पास एक आवारा कुत्ते से बचने की कोशिश में फिसल गई। आवारा कुत्ते से बचने के चक्कर में, 20 वर्षीय युवक की मुंबई-पुणे राजमार्ग पर मौत पुलिस के अनुसार, मृतक वर्ली के गोपालनगर का निवासी था। वह ट्रायम्फ स्पीड 400 मोटरसाइकिल चला रहा था, उसके साथ डोंबिवली निवासी उसका चचेरा भाई एक अलग बाइक पर था, और पाँच अन्य सवार थे।

वारवई गाँव के पास एक आवारा कुत्ता सवार के सामने से राजमार्ग पार कर गया। जाँच अधिकारी ने कहा, ''कुत्ते को कुचलने से बचने के लिए, उसने अचानक ब्रेक लगा दिए। तेज रफ़्तार मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे जोर से फिसल गई।'' मामले के जाँच अधिकारी ने बताया कि बाइक सवार को गंभीर अंदरूनी चोटें आईं और उसे अस्पताल में भर्ती कराते ही मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने आगे बताया कि घटना के संबंध में आकस्मिक मृत्यु रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। प्रारंभिक जाँच से पता चलता है कि कोई बाहरी हस्तक्षेप या किसी अन्य वाहन से टक्कर नहीं हुई थी। ऐसा प्रतीत होता है कि मृतक ने एक आवारा कुत्ते से बचने की कोशिश में नियंत्रण खो दिया था।

मुंबई : मेट्रो लाइन 1 व्यस्त समय के दौरान 30 मिनट से ज्यादा समय तक बाधित रही

मुंबई : वसोर्वा-घाटकोपर मेट्रो कॉरिडोर, यानी मेट्रो लाइन 1 व्यस्त समय के दौरान 30 मिनट से ज्यादा समय तक बाधित रही, जिससे यात्रियों को असुविधा हुई और स्टेशनों पर भीड़भाड़ बढ़ गई। मुंबई मेट्रो वन प्राइवेट लिमिटेड (एमएमओपीएल) के अधिकारियों ने बताया कि एक ट्रेन में तकनीकी खराबी के कारण यह व्यवधान उत्पन्न हुआ और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अप और डाउन दोनों लाइनों पर कई फेरे रद्द करने पड़े। प्रभावित रेक को दूसरी ट्रेन से ले जाया गया। यात्रियों ने शिकायत की कि उन्हें न तो व्यवधान के कारण के बारे में बताया गया और न ही यह बताया गया कि सेवाएँ कब फिर से शुरू होंगी। जागृति नगर मेट्रो स्टेशन पर फँसी एक यात्री सेजल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, ''बिल्कुल गैर-ज़िम्मेदाराना और दयनीय सेवा... कम से कम देरी का कारण तो बताइए... आपने मेट्रो रोक रखी है, 30 मिनट हो गए हैं।'' रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के नेतृत्व वाली MMOPL, जो 11.4 किलोमीटर लंबे वसोर्वा-घाटकोपर

रूट का संचालन करती है, ने यात्रियों को शाम 5.32 बजे सेवाओं में देरी की सूचना दी।

ऑपरेटर ने पर एक पोस्ट में कहा, ''तकनीकी खराबी के कारण सेवाओं में देरी हो रही है। हमें हुई असुविधा के लिए खेद है और सेवाओं को नियमित करने के प्रयासों के दौरान आपके सहयोग के लिए आभारी हैं।'' दस मिनट बाद, MMOPL, ने एक और संदेश पोस्ट किया जिसमें कहा गया कि सेवाएँ जल्द ही फिर से शुरू हो जाएँगी। लेकिन यात्रियों ने बताया कि अगले 20 मिनट तक इस रूट पर कोई ट्रेन नहीं चली। एक अधिकारी ने HT को बताया, ''ट्रेन संख्या 13 में शाम 5 बजे के आसपास, जब वह अंधेरी मेट्रो स्टेशन पर थी, खराबी आ गई। इसलिए प्रभावित रेक को डिपो तक ले जाने के लिए एक और ट्रेन भेजी गई।'' अधिकारी ने बताया कि पूरी प्रक्रिया में लगभग 30 मिनट लगे। सोमवार को हुई रुकावट पिछले छह महीनों में पाँचवीं ऐसी घटना थी। इस रूट पर सेवाएँ 23 सितंबर और 3 सितंबर को दरवाजों में खराबी के कारण, 7 जुलाई को ओवरहेड उपकरणों में समस्या के कारण और 24 जून को ओवरहेड उपकरणों में प्लास्टिक फंस जाने के कारण बाधित हुई थीं।

कोस्टल रोड की रेलिंग कार से टूट गई... मरम्मत के लिए 2.65 लाख रुपये का हजार्ना

मुंबई : भारत में सड़कों की हालात कैसी है ये सभी जानते हैं. भले ही पूरे देश में एक्सप्रेसवे का जाल बिछाया जा रहा हो लेकिन उनकी क्वालिटी पर हमेशा प्रश्न चिह्न लगे ही रहते हैं. कई ऐसे वीडियो सामने आते हैं जिनमें हाई स्पीड सड़कों के बीच में अचानक गड्ढे आ जाते हैं और गाड़ियों को भारी नुकसान होता है. हालांकि, इसकी कोई सरकार या लोकल अथॉरिटी जिम्मेदारी नहीं लेती है. हालांकि, अगर इसका उल्टा हो जाए तो तुरंत जुमार्ना ठोक दिया जाता है. मुंबई में भी ऐसा ही कुछ हुआ है. यहां कोस्टल रोड की रेलिंग एक कार से ठुकने के कारण टूट गई. इसके बाद कार चालक पर भारी जुमार्ना लगा दिया गया.

अब इस जुमार्ने की रकम चर्चा का विषय बन गई है. उस कार चालक से रेलिंग की मरम्मत के लिए 2.65 लाख रुपये का हजार्ना भरने को कहा गया है. आरोप है कि तेज और लापरवाह ड्राइविंग की वजह से उसकी कार ने कोस्टल रोड की रेलिंग तोड़ दी, जिससे सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा. 7 अक्टूबर को यह हादसा हुआ जब कार हाजी अली से वर्ली की ओर जा रही थी. अचानक ड्राइवर का वाहन पर नियंत्रण बिगड़ गया और कार रेलिंग तोड़ते हुए सीधे समुद्र में जा गिरी. मौके पर मौजूद महाराष्ट्र सुरक्षा बल ने ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया. बाद में ट्रैफिक पुलिस ने आरोपी ड्राइवर के खिलाफ नशे में गाड़ी चलाने का मामला दर्ज किया.

घटना के करीब तीन हफ्ते बाद बीएमसी ने 30 अक्टूबर को ड्राइवर को नोटिस जारी किया. नोटिस में लिखा गया कि ''7 अक्टूबर को आप अपनी कार हाजी अली से वर्ली की ओर चला रहे थे, उसी दौरान आपने वाहन से नियंत्रण खो दिया जिससे कोस्टल रोड की रेलिंग टूट गई और गाड़ी समुद्र में जा गिरी. आपकी इस लापरवाही से सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा है. इस मरम्मत की अनुमानित लागत 2.65 लाख रुपये है, जिसे बीएमसी ट्रेजरी में जमा करना होगा.'' बीएमसी ने साफ कहा है कि यह राशि जल्द से जल्द जमा कराई जाए, ताकि केस को बंद किया जा सके.

बीएमसी अधिकारियों ने बताया कि नोटिस जारी करने में देरी इसलिए हुई क्योंकि नुकसान का सही आकलन करने और मरम्मत के खर्च की ऑडिट रिपोर्ट तैयार करने में वक्त लगा. एक अधिकारी के मुताबिक, ''कोस्टल रोड हाई-स्पीड कॉरिडोर है, इसलिए रेलिंग तुरंत ठीक करनी पड़ी. खर्च का बिल आने के बाद ही नोटिस जारी किया जा सका.''

बीजेपी नेता का बेटा हाइड्रो गांजा बेचने के आरोप में गिरफ्तार

नवी मुंबई : पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल ने बीजेपी के भारत रक्षा मंच की नेशनल प्रेसिडेंट बीना गोगरी के बेटे केयूर जयेश गोगरी (29) को थाईलैंड से स्मगल किया हुआ हाइड्रो गांजा बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी खारघर सेक्टर 19 में उसके घर पर रेड के बाद हुई, जहां पुलिस ने ₹5,000 कीमत का 800 मिलीग्राम हाइड्रो गांजा जब्त किया। खारघर अपार्टमेंट में रेड एक टिप मिलने पर, एंटी-नारकोटिक्स सेल के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर संदीप निगडे के नेतृत्व में एक टीम ने 30 अक्टूबर को खारघर की शिवसाई बिल्डिंग में रेड की। तलाशी के दौरान, पुलिस ने गोगरी के अपार्टमेंट से प्लास्टिक पैकेट, एक क्रशर और एक वजन करने वाली मशीन बरामद की।

अधिकारियों के मुताबिक, यह नशीला पदार्थ कथित तौर पर गोगरी के दो दोस्तों ने गैर-कानूनी रास्तों से थाईलैंड से स्मगल किया था। पूछताछ के दौरान, गोगरी ने कथित तौर पर कबूल किया कि उसने यह चीज अपने दोस्त शारिक से ली थी, जो भांडुप का रहने वाला है और इसे थाईलैंड से स्मगल करता है, और कभी-कभी नोमान से भी लेता था, जो उलवे में रहता है। उसने माना कि वह इस ड्रग को खारघर इलाके के लोकल युवाओं को बेचना चाहता था।

मुंबई: कार्गो कंटेनर के अंदर एक विदेशी प्रजाति का सांप मिला

मुंबई: एक अजीब घटना में यूनाइटेड किंगडम से उरन आए एक कार्गो कंटेनर के अंदर एक विदेशी प्रजाति का सांप मिला। इस कंटेनर में नहावा शेवा पोर्ट पर रबर के टायर थे। यह सांप, जिसकी पहचान कॉर्न स्नेक (जिसे रेड रैट स्नेक भी कहते हैं) के रूप में हुई है, कथित तौर पर बंद कंटेनर के अंदर लगभग 40 दिनों तक ज़िंदा रहा और फिर मिला।

कार्गो अनलोडिंग के दौरान मिला यह सांप शनिवार को हिंद कंटेनर टर्मिनल पर सामान उतारने के ऑपरेशन के दौरान मिला। कस्टम हाउस एजेंट मिलिंद पाटिल और उनकी टीम तब हैरान रह गई जब उन्होंने टायरों के बीच नारंगी रंग का धारीदार सांप देखा। मैनेजमेंट ने तुरंत बचाव के लिए फ्रेंड्स ऑफ नेचर ऑर्गनाइजेशन से संपर्क किया।

मुंबई : आरे, वाकोला और विक्रोली यह तीनों फ्लाईओवर मरम्मत कार्य; दिसंबर महीने से शुरू होने की उम्मीद

मुंबई : केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की बीएमसी के साथ हुई बैठक में उन्होंने बीएमसी को निर्देश दिया था कि आरे, वाकोला और विक्रोली यह तीनों फ्लाईओवर की मरम्मत बीएमसी करे। बीएमसी अधिकारियों के मुताबिक, तीनों फ्लाईओवर के मरम्मत कार्य के लिए 30 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे यानी एक फ्लाईओवर के लिए 10 करोड़ रुपये रुपये खर्च किए जाएंगे। बीएमसी का कहना है कि अगले सप्ताह तक इस कार्य के लिए टेंडर जारी किया जाएगा वहीं टेंडर फाइनल होने के बाद दिसंबर महीने से मरम्मत कार्य शुरू होने की उम्मीद है। बता दें कि इन तीनों फ्लाईओवर की हालत खस्ता है जिससे ट्रैफिक की समस्या बढ़ जाती है। एक वरिष्ठ बीएमसी अधिकारी ने बताया कि इन तीनों फ्लाईओवर में से विक्रोली फ्लाईओवर पहले ही बंद किया गया है

3 फ्लाईओवर बंद होने से ट्रैफिक पर होगा असर

अन्य दो फ्लाईओवर को भी जल्द ही बंद किया जाएगा और काम को शुरू किया जाएगा। हालांकि काम कब तक पूरा होगा यह टेंडर जारी होने के बाद तथ किया जाएगा, कहीं लोगों का कहना है कि तीनों फ्लाईओवर बंद होने से ट्रैफिक पर असर दिख सकता है। विशेषज्ञों ने सुझाया कि मरम्मत का कार्य रात को भी किया जा सकता है। भले ही यह तीनों फ्लाईओवर की रखरखाव की जिम्मेदारी महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास प्राधिकरण (एमएसआरडीसी) के पास है, लेकिन अब यह जिम्मेदारी पियूष गोयल ने बीएमसी को सौंप दी है। बीएमसी ने एमएसआरडीसी को पत्र लिखकर काम करने की इजाजत मांगी है।

मुंबई : टूरिस्ट को केरल के मुन्नार में टैक्सी ड्राइवरों ने परेशान किया...

जानवी को पुलिस या केरल टूरिज्म डिपार्टमेंट से कोई मदद नहीं मिली

मुंबई : मुंबई की एक टूरिस्ट को केरल के मुन्नार में टैक्सी ड्राइवरों ने परेशान किया, जिससे उसे ट्रिप बीच में ही छोड़कर सुरक्षित जगह पर लौटना पड़ा। जानवी नाम की महिला को कथित तौर पर ऑनलाइन टैक्सी इस्तेमाल करने से रोक दिया गया और कोर्ट ऑर्डर का हवाला देकर लोकल टैक्सी लेने के लिए मजबूर किया गया। मुंबई की असिस्टेंट प्रोफेसर जानवी को कथित तौर पर पुलिस या केरल टूरिज्म डिपार्टमेंट से कोई मदद नहीं मिली। जब उसने ऑनलाइन अपनी आपबीती बताई, तभी केस दर्ज किया गया। इंटरनेट पर शेयर किए गए तीन मिनट के वीडियो में, जानवी ने सबूतों के साथ घटना की डिटेल में बताया। वीडियो की शुरूआत में जानवी केरल की सुंदरता की तारीफ करती हैं लेकिन यह भी कहती हैं कि वह शायद दोबारा वहां न जाएं।

महिला प्रोफेसर ने कहा, ''उनकी ट्रिप की शुरूआत कोच्चि और एलेप्पी से हुई, वहां के लोग बहुत अच्छे, बहुत दयालु और स्वागत करने वाले हैं। इसके बाद मैंने मुन्नार जाने का फैसला किया। इस फैसले ने इस ट्रिप को हमेशा याद रखने के मेरे तरीके को बदल दिया।''

क्या है मामला ?

जब वह मुन्नार के लिए निकल रही थीं तो होस्ट ने उसे यूं ही बताया था कि मुन्नार में ऑनलाइन कैब (ओला या ऊबर) पिकअप की अनुमति नहीं है। जबकि जानवी ने इसे पहले ही बुक कर लिया था। इसके पीछे की वजह जाननी चाही तो बताया गया कि ऐसा टैक्सी यूनियन की वजह से है। महिला ने कहा, ''होस्ट ने हमें असल में चेतावनी दी थी कि अगर हम फिर जाना चाहते हैं तो हमें ड्राइवर को किसी दूसरी जगह पर बुलाना होगा और फिर उससे वहीं मिलना होगा। साथ ही यह भी पक्का करना होगा कि हम लोगों को कोई नोटिस न करे। पहुंचने के बाद जैसे ही हमने कैब में अपने बैग रखने शुरू किए, वैसे ही पांच से लोग आ गए।''

उन्होंने आगे कहा, ''मुझे लगता है कि वो लोग हमारा पीछा कर रहे थे। उन्होंने हमारे कैब ड्राइवर को धमकाना शुरू कर दिया और कहा कि वह हम लोगों को नहीं ले जा सकता। हमें उनकी भाषा समझ नहीं आ रही थी लेकिन उनके गुस्से को महसूस कर लिया था और बेहद असुरक्षित महसूस कर रहे थे।''

इसके बाद जानवी ने पुलिस को फोन किया लेकिन वहां से भी कोई मदद नहीं मिली। कहा जाता है, ''उनकी यूनियन के लोगों से बात हो गई थी।'' पुलिस ने उनसे कहा कि बुक की गई राइड की जगह वो लोग लोकल टैक्सी बुक करें।

मुंबई :कसाब का वो दोस्त जुंदाल अभी जिंदा है जिसने मुंबई हमलावरों को सिखाई थी हिंदी, अब आया बड़ा अपडेट

मुंबई : 26/11 मुंबई हमले को 17 साल से ज्यादा का वक्त गुजर चुका है लेकिन एक दहशतगर्द अब भी जिंदा है. इसी ने पाकिस्तान से आए कसाब और उसके साथियों को हिंदी और स्थानीय तौर-तरीके सिखाए थे जिससे वे लोगों में घुल-मिल सकें. उन 10 आतंकियों का खेल खत्म हो चुका है लेकिन उन्हें ट्रेनिंग देने वाले इस जबीउद्दीन अंसारी उर्फ अबू जुंदाल का केस अब भी चल रहा है. कुछ घंटे पहले बॉम्बे हाई कोर्ट ने निचली अदालत के उस आदेश को रद्द करने का फैसला दिया जिसमें अधिकारियों से कहा गया था कि वे गोपनीय दस्तावेज जुंदाल को सौंपें.

जबीउद्दीन अंसारी उर्फ अबू जुंदाल का लंबे समय से रुका मुकदमा अब फिर शुरू होगा. जस्टिस आर एन लड्ढा की पीठ ने दिल्ली पुलिस, नागरिक उड्डयन मंत्रालय और विदेश मंत्रालय की ओर से दायर याचिका को स्वीकार कर लिया. इसमें निचली अदालत के 2018 के उस निर्देश को चुनौती दी गई थी जिसमें उन्हें अंसारी के मांगे कुछ गोपनीय दस्तावेज पेश करने के लिए कहा गया था. अंसारी के खिलाफ मुकदमा 2018 से लंबित है. उस पर न केवल हमलों की साजिश रचने का आरोप है बल्कि 26 नवंबर 2008 को मुंबई पर हमला करने वाले 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों को व्यक्तिगत रूप से प्रशिक्षित करने का भी आरोप है.

देश के अंदर तूफान मोन्था का असर खत्म... अब शुरु होगा कड़कड़ाती ठंड का दौर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अंदर तूफान मोन्था का प्रभाव करीब समाप्त हो गया है, और अब इसके मार्ग में आने वाले राज्यों में बारिश नहीं होगी। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, पहाड़ी और मैदानी इलाकों में अगले 3-4 दिन में तापमान गिरेगा, जिससे ठंड बढ़ेगी। इतना ही नहीं राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब और हिमाचल में अभी भी बारिश का दौर जारी रह सकता है। जहां 4 और 5 नवंबर को हिमाचल में बर्फबारी के आसार हैं। 3 नवंबर की रात से वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा। वहीं अरब सागर में बना डिप्रेशन सिस्टम कमजोर हो गया है। 3 नंवबर से फिर बारिश का दौर शुरू होगा क्योंकि एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा।

मौसम विभाग के मुताबिक 3-4 नवंबर को जयपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा, उदयपुर और जोधपुर संभाग के जिलों में मौसम बदलेगा। 3 नवंबर को 17 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं दिल्ली में प्रदूषण गंभीर राजधानी दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण गंभीर है। रविवार को एम्स और आसपास के इलाकों में एक्यूआई लेवल 420 तक पहुंच गया (जो 400 पार है)। दिल्ली सरकार ने बढ़ते प्रदूषण के कारण बीएस-3 और उससे पुराने मानक वाले सभी ट्रांसपोर्ट व कमर्शियल डीजल चालित वाहनों को दिल्ली में एंट्री पर बैन लगा दिया गया है। अब केवल बीएस-4 व बीएस-6 मानक के कमर्शियल मालवाहक, सीएनजी, एलएनजी और ईवी वाहनें ही प्रवेश कर सकते है। वहीं गुजरात के सौराष्ट्र में बेमौसम बारिश के कारण जूनागढ़ में 2 से 6 नवंबर तक प्रस्तावित गिरनार की लीली परिक्रमा रद्द कर दी गई है।

लोकतंत्र बचाने सुप्रीम कोर्ट जाएगी डीएमके ! स्टालिन ने 49 दलों संग एसआईआर को बताया मताधिकार पर हमला

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके नेता एमके स्टालिन द्वारा रविवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में तमिलनाडु सहित 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दूसरे चरण के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला किया गया। एक पोस्ट साझा करते हुए, एमके स्टालिन ने इस प्रस्ताव की घोषणा की और आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के पीछे का उद्देश्य लोगों के मताधिकार को छीनना है। उन्होंने लिखा कि तमिलनाडु के लोगों के मताधिकार को छीनने और लोकतंत्र की हत्या करने के इरादे से जल्दबाजी में लागू किए जा रहे एसआईआर के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाना सभी दलों का कर्तव्य है।

एमके स्टालिन ने आगे कहा, 'मतदाता सूची संशोधन में भ्रम और शंकाओं के संबंध में - चूँकि हमारी माँग थी कि ये संशोधन 2026 के आम चुनावों के बाद पर्याप्त समय पर और बिना किसी समस्या के किए जाएँ, चुनाव आयोग द्वारा स्वीकार नहीं की गई है, इसलिए हमने आज की सर्वदलीय बैठक में सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का प्रस्ताव पारित किया है।' स्टालिन ने बैठक में भाग लेने वाले 49 दलों को 'लोकतंत्र की रक्षा' के लिए धन्यवाद भी दिया। X पोस्ट में लिखा था कि मैं सर्वदलीय बैठक में भाग लेने वाले और अपनी भावनाएँ व्यक्त करने वाले 49 दलों के नेताओं का आभार व्यक्त करता हूँ। मैं उन लोगों से अनुरोध करता हूँ जिन्होंने इस बैठक में भाग नहीं लिया है कि वे अपनी पार्टियों में SIR पर चर्चा करें और लोकतंत्र की रक्षा के लिए पहल करें।

डीएमके नेता आरएस भारती ने एसआईआर को 'अप्रत्यक्ष रूप से' राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की कवायद बताया। उन्होंने कहा, 'हम इसका विरोध इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इसे किसी छिपे हुए इरादे से लागू किया जा रहा है। यह एसआईआर नहीं है। यह अप्रत्यक्ष रूप से एनआरसी में शामिल होने जैसा है। हम सुप्रीम कोर्ट जा रहे हैं।' बैठक में शामिल न होने वाले दलों पर निशाना साधते हुए भारती ने उन्हें 'भाजपा का गठबंधन' बताया। उन्होंने कहा, 'हमें उनकी परवाह नहीं है। वे सभी भाजपा गठबंधन में हैं। इसलिए वे नहीं आए।'

डीएमके प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने कहा, 'अदालत को अपना अंतिम आदेश जारी करने दीजिए। उसके बाद, वे एसआईआर पर आगे बढ़ सकते हैं। हम यही चाहते थे, और यही प्रस्ताव है। प्रस्ताव का उद्देश्य यह है कि चुनाव आयुक्त एसआईआर में अपनी मनमानी न करें...'

ट्यूनीशिया में फंसे झारखंड के 48 मजदूर, न वेतन दे रहे न भोजन, बस काम करा रहे

रांची (एजेंसी)। कई मजदूरों ने वीडियो संदेशों में कहा है कि उन्हें पिछले तीन से छह महीने से कोई वेतन नहीं मिला, जिसके कारण वे भूखे हैं और परिवार से संपर्क करने के लिए भी पैसे नहीं बचे हैं। एक मजदूर ने वीडियो में कहा, 'हम लोग भूखे हैं, बहुत परेशान हैं, किसी तरह भारत लौटना चाहते हैं।' ये झारखंड के 48 प्रवासी मजदूर ट्यूनीशिया में फंसे हुए हैं और गंभीर मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। मजदूरों का आरोप है कि उन्हें दिल्ली की एक निजी भर्ती कंपनी ने धोखे से विदेश भेजा और वहां बिना वेतन और भोजन के 12-12 घंटे काम करने को मजबूर किया जा रहा है।

फंसे हुए मजदूरों में ज्यादातर हजारीबाग, गिरिडीह और बोकारो जिलों के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें जाने से पहले सही कॉन्ट्रैक्ट और तय मजदूरी का वादा किया गया था, लेकिन ट्यूनीशिया पहुंचने के बाद न तो कॉन्ट्रैक्ट मिला और न वेतन। रिपोर्ट्स के मुताबिक मजदूरों ने जिस कंपनी पर आरोप लगाया है, उसका नाम प्रेम पावर कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड बताया गया है। मजदूरों के अनुसार, कंपनी ने उन्हें हाई वोल्टेज पावर लाइन प्रोजेक्ट के लिए भर्ती किया था और बाद में शर्तें बदल दीं। उन्हें धमकी दी जा रही है कि अगर वे विरोध करेंगे या वापस लौटना चाहेंगे तो जेल भेज दिया जाएगा।

लाइसेंस नहीं होने के बावजूद एयर इंडिया के 2 पायलट्स ने उड़ाया विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया में पायलटों की शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग प्रणाली में गंभीर अनियमितताएं अब भी जारी हैं, जिस पर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पांच महीने पहले कड़ी फटकार लगाई थी। ताजा घटनाओं में, एक को-पायलट और एक सीनियर कैप्टन को फ्लाइंग ड्यूटी से तत्काल हटा दिया गया है। कारण यह पता चला कि दोनों ने पिछले महीने बिना वैध योग्यता के एक-एक उड़ान संचालित की थी। डीजीसीए इन मामलों की गहन जांच कर रहा है और एयरलाइन से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है।

पहले मामले में, एयरबस ए320 के को-पायलट ने अपना नवीनतम इंस्ट्रूमेंट रेटिंग आधारित बाय-एनुअल पायलट प्रोफिशिएंसी चेक (आई-पीपीसी) क्लियर नहीं किया था। नियमों के अनुसार, असफलता के बाद पायलट को अनिवार्य सुधारात्मक प्रशिक्षण (करेक्टिव ट्रेनिंग) पूरा करना पड़ता है, तभी रोस्टर पर वापसी संभव है। लेकिन इस को-पायलट ने बिना प्रशिक्षण के उड़ान भर ली, जो सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बयान दिया, फर्स्ट ऑफिसर का ट्रेनिंग चेक में असंतोषजनक प्रदर्शन पकड़ा गया। जैसे ही यह त्रुटि सामने आई, क्रू शेड्यूलर और पायलट को ऑफ-रोस्टर कर दिया गया। कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है और डीजीसीए को सूचित कर दिया गया है। यह घटना एयरलाइन की निगरानी प्रणाली पर सवाल उठाती है।

दूसरे मामले में, सीनियर कमांडर ने इंग्लिश लैंग्वेज प्रोफिशिएंसी (ईएलपी) लाइसेंस की वैधता समाप्त होने के बावजूद ए320 उड़ान का पायलट-इन-कमांड रहते हुए संचालन किया। ईएलपी पायलटों के लिए बुनियादी आवश्यकता है, जो अंतरराष्ट्रीय संचार सुनिश्चित करता है। एयरलाइन ने स्वीकार किया, सीनियर पायलट का एक्सपायर्ड ईएलपी के साथ उड़ान भरने का मामला सामने आया। तुरंत ऑफ-रोस्टर किया गया और जांच जारी है। डीजीसीए को रिपोर्ट सौंपी गई है।

सीनियर पायलटों की चिंता

सीनियर पायलटों का मानना है कि ये खामियां एयर इंडिया की ओवरसाइट में गंभीर कमी दर्शाती हैं, जहां केवल योग्य क्रू ही रोस्टर पर आने चाहिए। ऐसी त्रुटियां न केवल यात्री सुरक्षा को जोखिम में डालती हैं, बल्कि एयरलाइन की विश्वसनीयता पर भी असर डालती हैं। डीजीसीए की जांच से शेड्यूलिंग सिस्टम में सुधार की उम्मीद है, लेकिन पांच महीने बाद भी समस्या बने रहना चिंताजनक है। एयर इंडिया को अपनी प्रक्रियाओं को मजबूत करना होगा ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

भारत की ओर से अफगानिस्तान को मानवीय सहायता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अफगानिस्तान को 16 टन से ज़्यादा दवाइयाँ और डायग्नोस्टिक किट भेजी हैं। ये दवाइयाँ और किट मुख्य रूप से वेक्टर जनित बीमारियों जैसे मलेरिया, डेंगू और लीशमैनियासिस से निपटने में मदद करेंगी। इन आपूर्तियों का उद्देश्य अफगानिस्तान के राष्ट्रीय मलेरिया और अन्य वेक्टर जनित रोग निवारण कार्यक्रम को सहायता देना और देश की रोग से लड़ने की क्षमता को बढ़ाना है। तालिबान प्रवक्ता शराफत जमान ने इस सहायता की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह मदद अफगानिस्तान में स्वास्थ्य क्षेत्र को समर्थन देने और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने की भारत की निरंतर प्रतिबद्धता का हिस्सा है। उन्होंने भारत सरकार की समय पर और बहुमूल्य सहायता के लिए आभार व्यक्त किया, और इसे जन स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा, ये दवाइयां और डायग्नोस्टिक किट सीधे तौर पर अफगानिस्तान के राष्ट्रीय मलेरिया और अन्य वेक्टर जनित रोग निवारण कार्यक्रम को सहायता प्रदान करेंगी। इन आपूर्तियों का उद्देश्य मलेरिया, डेंगू और लीशमैनियासिस जैसी बीमारियों से निपटने के लिए देश की क्षमता को बढ़ाना है, जो अफगानिस्तान के कई क्षेत्रों में गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियां बनी हुई हैं।

द्विपक्षीय संबंध और हालिया मुलाकात

यह मेडिकल सहायता अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मावलवी अमीर खान मुत्ताकी के अक्टूबर में भारत दौरे के बाद प्रदान की गई है। 10 अक्टूबर को, मुत्ताकी ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। दोनों ने अफगानिस्तान के विकास, द्विपक्षीय व्यापार, क्षेत्रीय अखंडता, लोगों के बीच संबंधों और क्षमता निर्माण के लिए भारत के समर्थन सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरे के दौरान, विदेश मंत्री जयशंकर ने अफगानिस्तान को पाँच एम्बुलेंस सौंपने की भी घोषणा की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह भी बताया था कि भारत ने भूकंप प्रभावित लोगों के लिए अफगानिस्तान को अतिरिक्त खाद्य सामग्री भी पहुंचाई है।

दिल्ली की जहरीली हवा ने ले ली 100 में से 15 लोगों की जान

-रिपोर्ट से हुआ खुलासा, जल्द सुधार नहीं हुआ तो बढ़ सकता है मौतों का आंकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में मौत को लेकर हुए चौंकाने खुलासे ने सभी को हिलाकर रख दिया है। 2023 में शहर में हुई हर सातवीं मौत करीब 15फीसदी वायु प्रदूषण से जुड़ी थी। इसमें पीएम2.5 जैसे कणों ने 17,188 लोगों की जान ली। 2023 की एक रिपोर्ट खुलासा हुआ है कि सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर ने इसे जारी किया है। वहीं एक एनालिस्ट ने कहा कि दिल्ली में पीएम प्रदूषण से 9.4फीसदी डिसेबिलिटी एडजस्टेड लाइफ इयर्स प्रभावित हुए, जो देश में सबसे ज्यादा हैं। इससे 4.9 लाख स्वस्थ लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। यह आंकड़ा 2018 के 15,786 मौतों से बढ़कर 17,188 हो गया है। दिल्ली में सबसे ज्यादा मौतों का कारण प्रदूषित हवा है। अन्य प्रमुख जोखिम कारकों में हाई सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर है, जिससे 14,874 मौतें यानी 12.5फीसदी होती है। हाई फास्टिंग प्लाज्मा ग्लूकोज यानी डायबिटीज से 10,653 यानी 9फीसदी मौतें हो रही हैं। वहीं, हाई कोलेस्ट्रॉल से 7267 यानी 6फीसदी मौतें और हाई बॉडी मास इंडेक्स से 6,698 यानी 5.6फीसदी मौतें हो रही हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक प्रदूषण से हार्ट की बीमारी, स्ट्रोक, फेफड़ों के कैंसर, क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज और सांस लेने के अंगो के नीचले भाग में संक्रमण लगातार बढ़ रही हैं। मनोज कुमार ने चेतावनी दी कि, 'यह सिर्फ पर्यावरण मुद्दा नहीं, सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। प्रदूषण कम न होने पर श्वसन रोग, हृदय रोग और कैंसर से मौतें और बढ़ेंगी।' रिपोर्ट में कहा गया कि प्रभावी प्रदूषण नियंत्रण से लाखों लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है।

एम्स के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. हर्षल रमेश सल्वे ने कहा कि प्रदूषण से अतिरिक्त मौतें हो रही हैं, लेकिन संख्या पर बहस हो सकती है। ये अनुमान गणितीय मॉडल पर आधारित हैं। भारतीय आबादी के लिए एक्सपोजर रिस्पॉन्स फंक्शन परफेक्ट नहीं है। फिर भी बढ़ती मौतें मल्टी-सेक्टरल एक्शन की मांग करती हैं। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. निखिल मोदी ने 15 फीसदी आंकड़े को विश्वसनीय बताया है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण लंबे समय तक बीमारियों को बिगाड़ता है, जो मौत का कारण बनती हैं। हाल के वर्षों में यह बढ़ा है और जल्द सुधार न हुआ तो और मौतें हो सकती हैं।

पुल्मोनोलॉजिस्ट ने स्पष्ट किया कि 15 फीसदी का मतलब तत्काल मौत नहीं, बल्कि क्रॉनिक स्ट्रेसर है जो पीएम2.5 से सूजन, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और फेफड़े-हृदय की क्षति पहुंचाता है। ये अनुमान एपिडेमियोलॉजिकल मॉडल से आते हैं, जो दिल्ली के हाई पॉल्यूशन को देखते हुए सही लगते हैं। हालांकि यह सच है कि मौत की सटीक संख्याएं तय करना जटिल है क्योंकि मृत्यु प्रमाण-पत्रों पर मौतों को 'प्रदूषण के कारण' दर्ज नहीं किया जाता है। ये अनुमान जनसंख्या जोखिम डेटा, रोग की वजह और मृत्यु दर के रुझानों का उपयोग करके मज़बूत विज्ञान मॉडल से हासिल किए गए हैं।

इस शुक्रवार सिनेमाघरों में दिखेगा मनोरंजन का 'महाधमाल', ये फिल्में हो रही हैं रिलीज...!

मुंबईः हर शुक्रवार की तरह, यह शुक्रवार भी सिनेप्रेमियों के लिए मनोरंजन का बड़ा तोहफा लेकर आ रहा है। इस हफ्ते दर्शकों को सिनेमाघरों में कई नई हिंदी फिल्में देखने को मिलेंगी, जिनमें अलग-अलग जॉनर की फिल्में शामिल हैं। दर्शकों के लिए यह एक शानदार वीकेंड होने वाला है, जहाँ उन्हें थ्रिलर से लेकर कॉमेडी और ऐतिहासिक ड्रामा तक सब कुछ मिलेगा।

मुख्य आकर्षणः 'द ताज स्टोरी' और 'बाहुबलीः द एपिक'

इस शुक्रवार सबसे ज्यादा चर्चा में परेश रावल अभिनीत फिल्म 'द ताज स्टोरी' है। यह फिल्म एक विवादास्पद विषय पर आधारित है और इसमें एक कोर्टरूम ड्रामा के साथ ऐतिहासिक उत्सुकता का मिश्रण देखने को मिलेगा। फिल्म में परेश रावल एक टूरिस्ट गाइड के किरदार में हैं जो ताज महल के निर्माण से जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों को चुनौती देते हैं। दूसरी बड़ी रिलीज है एसएस राजामौली की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बाहुबली' का एक नया 'वन-कट' वर्जन, जिसका नाम

'बाहुबलीः द एपिक' है। यह फिल्म दर्शकों को एक बार फिर बड़े पर्दे पर प्रभास के साथ एपिक एक्शन और ड्रामा का अनुभव देगी। इस फिल्म की एडवांस बुकिंग काफी अच्छी रही है, जो बॉक्स ऑफिस पर इसके मजबूत प्रदर्शन का संकेत देती है।

अन्य रिलीज फिल्में

इन बड़ी फिल्मों के अलावा, कुछ और हिंदी फिल्में भी दर्शकों के सामने होंगीः

सिंगल सलमा : यह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लखनऊ पर आधारित है। इसमें हुमा कुरैशी, श्रेयस तलपड़े और सनी सिंह मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह वीकेंड पर हल्की-फुल्की कॉमेडी पसंद करने वालों के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकती है। अन्य छोटी फिल्मेंः 'महावतार नरसिम्हा' और 'सैयारा' जैसी कुछ और फिल्में भी इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज होने की उम्मीद है, जो दर्शकों को विभिन्न कहानियाँ पेश करेंगी।

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी धूम

सिनेमाघरों के अलावा, ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी इस हफ्ते नई फिल्में और वेब सीरीज आ रही हैं। हालांकि, इन प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज होने वाली हिंदी फिल्मों और सीरीज की सटीक जानकारी के लिए दर्शकों को अपने पसंदीदा स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स की लिस्ट देखनी होगी। कुल मिलाकर, इस शुक्रवार दर्शक इतिहास, थ्रिलर, एक्शन और कॉमेडी का एक पूरा पैकेज देख सकते हैं। बॉक्स ऑफिस पर इन फिल्मों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है, जिससे दर्शक और ट्रेड पंडित दोनों उत्साहित हैं।

रश्मिका मंदाना की 'द गर्लफ्रेंड' के नॉन-थियेट्रिकल राइट्स चौंकाने वाले हैं..!

नेशनल क्रश रश्मिका मंदाना फिल्म ''द गर्लफ्रेंड'' में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। राहुल रवींद्रन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कन्नड़ अभिनेता दीक्षित शेट्टी भी हैं। यह फिल्म 7 नवंबर को तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसी सिलसिले में, रश्मिका और उनकी टीम प्रमोशन में व्यस्त हैं। फिल्म की रिलीज से पहले ही एक दिलचस्प खबर इंटरनेट पर खूब चर्चा का विषय बन रही है।

रिलीज से पहले ही यह फिल्म अपने नॉन-थियेट्रिकल राइट्स के लिए चर्चा का विषय बनी हुई है। ताजा जानकारी के अनुसार, ''द गर्लफ्रेंड'' ने नॉन-थियेट्रिकल राइट्स के लिए कुल 21 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसमें से लोकप्रिय ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने 14 करोड़ रुपये,

सैटेलाइट राइट्स के लिए 4 करोड़ रुपये और ऑडियो राइट्स के लिए 3 करोड़ रुपये हासिल किए हैं।

यह फिल्म अल्लू अरविंद द्वारा प्रस्तुत और विद्या कोप्पिनीडी और धीरज मोगिलिनेनी द्वारा मास मूवी मेकर्स और धीरज मोगिलिनेनी एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्मित है। लोकप्रिय मलयालम संगीत निर्देशक हेशाम अब्दुल वहाब द्वारा फिल्म का संगीत तैयार किए जाने के साथ, इस एल्बम से काफी उम्मीदें हैं। #दगर्लफ्रेंड को नॉन-थियेट्रिकल डील्स में काफी सफलता मिली है।

अपने बेस्ट फ्रेंड अभिषेक बजाज को सांत्वना देती नजर आईं अभिनेत्री अशनूर कौर

बिग बॉस सीजन 19 की प्रतियोगी अभिनेत्री अशनूर कौर हाल ही में अपने बेस्ट फ्रेंड अभिषेक बजाज को सांत्वना देती नजर आईं, जो अपने पिछले दिल टूटने की यादों को ताजा करते हुए रो पड़े। होस्ट चैनल द्वारा अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किए गए एक वीडियो में, अभिषेक अपने पिछले रिश्ते का ज़िक्र करते हुए बताते नजर आए कि जब प्यार से भरा दिल टूटता है तो कैसा लगता है। अभिनेता अपने पिछले दिल टूटने को याद करके भावुक और बेहद परेशान नजर आए। अशनूर उनका हाथ पकड़े उन्हें शांत करने की कोशिश करती नजर आईं।

वह अभिषेक से यह भी कहती नजर आईं कि उन्हें प्यार में विश्वास है और उन्हें प्यार का कॉन्सेप्ट भी पसंद है। इससे पहले, आईएएनएस से बात करते हुए, अशनूर कौर के माता-पिता, अवनीत कौर और गुरमीत ने बिग बॉस 19 के घर में अपनी बेटी के सफर पर चर्चा की और अभिषेक बजाज के साथ उनके रिश्ते के बारे में बताया। जब आईएएनएस ने उनसे अशनूर और अभिषेक की दोस्ती के बारे में पूछा, जो एक ऐसा रिश्ता है जिसे बिग बॉस के घर में अक्सर घरवालों द्वारा रोमांटिक रूप से जोड़ा जाता रहा है, तो उनके माता-पिता ने खुलकर जवाब दिया।

अशनूर के पिता गुरमीत सिंह ने कहा, ''यह एक सच्चा और पवित्र रिश्ता है।

''इंडियाज गॉट टैलेंट'' में सिद्धार्थ को याद कर शहनाज गिल की आंखें

अभिनेत्री-गायिका शहनाज गिल ने रियलिटी शो बिग बॉस 13 में भाग लेने के बाद अपार लोकप्रियता हासिल की। शो के दौरान, सबसे चर्चित पहलुओं में से एक दिवंगत सिद्धार्थ शुक्ला के साथ उनका रिश्ता था। उनके डेटिंग की भी अफवाहें थीं, हालाँकि उन्होंने कभी अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की। अभिनेत्री अब अपनी हाल ही में रिलीज हुई पंजाबी फिल्म इक्क कुड़ी के प्रचार के लिए इंडियाज गॉट टैलेंट में आने वाली हैं। शहनाज गिल ने सिद्धार्थ शुक्ला को याद किया।

एक नए प्रोमो में शहनाज भावुक हो जाती हैं और अपने आंसू रोकने की कोशिश करती हैं जब एक प्रतियोगी 2011 की फिल्म बॉडीगार्ड का गाना तेरी मेरी गाता है, जिसमें करीना कपूर खान और सलमान खान मुख्य भूमिका में थे। इस पल ने उन्हें सिद्धार्थ शुक्ला की याद दिला दी, जिनका 2 सितंबर, 2021 को 40 वर्ष की आयु में हृदय गति रुकने से निधन

हो गया था। इंडियाज गॉट टैलेंट को मलाइका अरोड़ा, शान और नवजोत सिंह सिद्धू जज करते हैं। सिद्धार्थ की दुखद मृत्यु के बाद, शहनाज ने उनके और उनके बीच के रिश्ते के बारे में बात करने से परहेज किया है।

इससे पहले, शहनाज ने कबूल किया था कि वह सिद्धार्थ को लेकर बहुत पजेसिव थीं। फराह खान के साथ उनके यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान, शहनाज ने सिद्धार्थ के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की और कहा कि उन्हें दिखावे की परवाह नहीं है, लेकिन एक गर्लफ्रेंड होने के नाते उन्हें जल्दी जलन होती है, और उन्होंने खुद को बेहद पजेसिव बताया। उस समय, उन्होंने सिद्धार्थ के लिए अपनी भावनाओं को याद किया और स्वीकार किया कि वह वाकई सिद्धार्थ को लेकर पजेसिव थीं। उन्होंने कहा, ''मैं पजेसिव थी क्योंकि भाई वह हैंडसम भी था तो (क्योंकि वह हैंडसम था)। अगर कोई इतना अच्छा दिखता है, तो असुरक्षित और पजेसिव महसूस करना स्वाभाविक है।''सिद्धार्थ और शहनाज, जिन्हें प्रशंसक ''सिडनाज'' कहते हैं, बिग बॉस 13 के घर में रहते हुए एक-दूसरे के करीब आए थे।

कोर्ट में सीनियर वकील की हार्ट अटैक से मौत

पति का दावा- समय पर नहीं मिली मेडिकल मदद

मुंबईः मुंबई महावितरण ने 'बिलो पावर्टी लाइन' (बीपीएल) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों को 25 साल तक मुफ्त बिजली प्रदान करने की योजना बनाई है। यह योजना स्वयंपूर्ण महाराष्ट्र आवासीय रूफटॉप (स्मार्ट) योजना' के तहत लागू की जाएगी। इस योजना से घरों पर एक किलोवाट क्षमता का सोलर प्लांट स्थापित किया जाएगा। महावितरण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्रा ने बताया कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार की सब्सिडी के कारण, इस योजना के लाभार्थी उपभोक्ताओं को बहुत कम हिस्सा देना होगा।

पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर लागू होगी योजना

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में राज्य सरकार ने स्मार्ट योजना शुरू की है। 1.54 लाख बीपीएल और 3.45 लाख आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों सहित पाँच लाख घरेलू बिजली उपभोक्ताओं, जो प्रति माह 100 यूनिट से कम बिजली की खपत करते हैं, को मुफ्त बिजली प्रदान करने और अतिरिक्त बिजली बेचकर आय उत्पन्न करने के लिए 655 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह योजना पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर लागू की जाएगी। हाल ही में हुई राज्य स्तरीय बैठक में इस योजना के कार्यान्वयन के संबंध में निर्देश दिए गए थे।

केंद्र के साथ राज्य सरकार भी देगी सब्सिडी

केंद्र सरकार ने 'प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' शुरू की है। इसमें उपभोक्ताओं को एक किलोवाट की छत पर सौर ऊर्जा परियोजना लगाने पर केंद्र सरकार की ओर से 30,000 रुपये की सब्सिडी मिलती है। स्मार्ट योजना में, इस सब्सिडी के अलावा, राज्य सरकार भी 17,500 रुपये की सब्सिडी देगी, जिससे बिजली उपभोक्ता बहुत कम राशि देकर इसे लगवा सकते हैं।

प्रति माह लगभग 120 यूनिट बिजली पैदा

एक किलोवाट सौर ऊर्जा उत्पादन परियोजना से प्रति माह लगभग 120 यूनिट बिजली उत्पन्न होती है। इसलिए, 100 यूनिट तक बिजली की खपत करने वाले उपभोक्ता अपनी जरूरतें स्वयं पूरी कर सकते हैं और अतिरिक्त बिजली महावितरण को बेच सकते हैं।

मुंबई : पवई मुठभेड़ मामले में 7 लोगों के बयान दर्ज...

मुंबई : पवई स्थित महावीर क्लासिक बिल्डिंग में आरए स्टूडियो बंधक कांड की जांच, मुंबई क्राइम ब्रांच की दो यूनिट कर रही हैं। मुंबई क्राइम ब्रांच ने रोहित द्वारा बच्चों को बंधक बनाने और उसकी मौत से जुड़े पवई मुठभेड़ मामले में अभी तक 7 लोगों के बयान दर्ज किया गया है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने रोहित आर्या को गोली मारने वाले पवई पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस निरीक्षक अमोल वाघमारे, रोहन अहेर (आर्या का सहायक), स्टूडियो में बंधक 75 वर्षीय महिला और उसकी पोती का बयान दर्ज किया।

साथ ही आर्या का वीडियो प्राप्त करने और पुलिस तक पहुंचाने वाले तीन लोग तथा रोहित के बहनोई का भी बयान दर्ज किया गया। रोहित आर्या की पत्नी, अभिनेत्री रुचिता जाधव और चाय विक्रेता उमेश तिवारी जैसे बंधकों के अभिभावकों के बयान दर्ज करने की योजना है, लेकिन वे अभी तक दर्ज नहीं किए गए हैं। क्राइम ब्रांच ने रोहित का एनकाउंटर करने वाले सहायक पुलिस निरीक्षक अमोल वाघमारे का बयान दर्ज किया है। वाघमारे ने अपने बयान में कहा कि रोहित को गोली मारने का कोई आदेश नहीं था, स्थिति का आकलन करने के बाद गोली चलाई गई थी। इस संबंध में पुलिस ने दो प्राथमिकी दर्ज की हैं।

मुंबई : स्कूल में मेंहदी लगाने पर विवाद;

क्लास में नहीं दी गई एंट्री; शिक्षा विभाग ने स्कूल को थमाया नोटिस...

मुंबई : महाराष्ट्र के मुंबई के चेंबूर इलाके में स्थित एक स्कूल में मेंहदी लगाने पर विवाद हो गया. बताया जा रहा है कि कुछ छात्राओं के हाथों में मेहंदी लगी थी, जिसकी वजह से उन्हें क्लास में एंट्री नहीं दी गई. ये मामला सेंट एंथनी गर्ल्स हाई स्कूल से सामने आया है. परिजन का आरोप है कि पिछले हफ्ते 10 से 15 छात्राओं को सिर्फ इसलिए कक्षा में बैठने नहीं दिया गया. क्योंकि उन्होंने अपने हाथों पर मेहंदी लगाई हुई थी.

छात्राओं के पेरेंट्स ने मामले की लिखित शिकायत शिक्षा विभाग में दर्ज कराई. शिकायत मिलने के बाद विभाग ने स्कूल प्रशासन को नोटिस जारी कर 4 नवंबर यानी आज मंगलवार तक जवाब देने के निर्देश दिए हैं. वहीं, स्कूल प्रशासन ने अभिभावकों के आरोपों को खारिज किया और सफाई देते हुए कहा कि छात्राओं को सिर्फ अनुशासन का पालन करने के लिए कहा गया था और किसी के साथ भेदभाव नहीं किया गया.

शिक्षा विभाग ने स्कूल को थमाया नोटिस

इस मामले में शिक्षा विभाग ने जांच शुरू कर दी है और स्कूल को नोटिस जारी करते हुए इस मामले की पूरी रिपोर्ट मांगी गई है, जिस पर स्कूल को 4 नवंबर तक जवाब देने के लिए कहा गया है. नोटिस में कहा गया कि आपके स्कूल की कुछ छात्राओं को हाथ पर मेहंदी लगाने की वजह से स्कूल में बैठने की इजाजत नहीं दी गई. ऐसी शिकायत कार्यालय को मिली है. ऐसे में अनुरोध है कि 4 नवंबर तक इस बारे में विस्तार से स्पष्टीकरण दें.

आगे इस तरह की शिकायत न मिलने की कही बात

इसके साथ ही नोटिस में साफतौर पर कहा गया कि आगे से इस तरह की शिकायत कार्यालय को नहीं मिलनी चाहिए. इस बात का भी ध्यान रखें. हालांकि, स्कूल की ओर से इस मामले पर कहा गया कि उन्होंने छात्राओं को अनुशासन का पालन करने के लिए कहा था. हमने किसी के साथ भेदभाव नहीं किया है. अब मामले की जांच की जा रही है.

नवी मुंबई : स्थानीय मराठी युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता न दिए जाने पर गंभीर चेतावनी

नौकरी में आरक्षण की नीति' लागू नहीं की गई, तो हवाई पट्टी तोड़ डालेंगे...

नवी मुंबई : महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रोजगार के मुद्दे पर आक्रामक तेवर अपनाए हैं। राज ठाकरे की पार्टी ने स्थानीय मराठी युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता न दिए जाने पर गंभीर चेतावनी देने के अंदाज में कहा 'स्थानीय लोगों के लिए नौकरी में आरक्षण की नीति' लागू नहीं की गई, तो वे 'हवाई पट्टी तोड़ डालेंगे।' महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रवक्ता गजानन काले ने कहा, एनएमआईए परियोजना से रोजगार के लगभग एक लाख अवसर सृजित होने की उम्मीद है। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहले टर्मिनल के लिए चल रही नियुक्ति प्रक्रिया का जिक्र करते हुए गजानन काले ने कहा, 'स्थानीय मराठी युवाओं को नजरअंदाज किया जा रहा है और ऐसी नीति 'भूमिपुत्रों' को मौका देने की भावना के खिलाफ है। बकौल गजानन काले, 'सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन और नवी मुंबई एयरपोर्ट प्रशासन ने 80 प्रतिशत नौकरियां मराठी बोलने वालों को देने की नीति को अस्वीकार कर दिया है।' उन्होंने आरटीआई से मिले जवाब का जिक्र करते हुए कहा, सरकार और सीआईडीसीओ के पास स्थानीयों को आरक्षण देने की कोई ठोस नीति नहीं है। अगर मराठी युवाओं को प्राथमिकता नहीं दी गई, तो मनसे प्रमुख राज ठाकरे के आदेश का पालन करते हुए 'विरोध का मोर्चा' निकाला जाएगा। स्थानीय युवाओं को नौकरी न मिलने पर यहां से किसी भी विमान को उड़ान नहीं भरने दिया जाएगा।

काले ने यह भी आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या की एक कंपनी ने मराठी युवाओं को एयरपोर्ट की नौकरियों का झांसा देकर ठगा था। चाय बेचकर गुजारा करने वाले पिता ने अपने बेटे की नौकरी के लिए 88,000 रुपये तक दिए, लेकिन बदले में केवल धोखा ही मिला।

मुंबई : 20 नवंबर को मुंबई हवाई अड्डे के दोनों क्रॉस रनवे बंद रहेंगे...

मुंबई : 20 नवंबर को मुंबई हवाई अड्डे के दोनों क्रॉस रनवे नंबर 09/27 और 14/32 बंद रहेंगे। क्रॉस रनवे को 6 घंटे तक बंद किया जाएगा। इस दौरान यहां से न तो कोई प्लेन उड़ान भर सकेगा न ही किसी फ्लाइट की लैंडिंग होगी। यह सब मॉनसून के बाद हर साल होने वाली बड़ी रखरखाव योजना के तहत किया जा रहा है। ये रनवे सुबह 11 बजे से शाम पांच बजे तक कुल छह घंटे उड़ानों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। मुंबई एयरपोर्ट प्रबंधन ने यह बंदी पहले से तय रखरखाव कार्यों के लिए रखी है। मॉनसून की भारी बारिश से रनवे की सतह पर पानी जमा हो जाता है और जगह-जगह दरारें पड़ जाती हैं।

इसी वजह से हर साल मानसून खत्म होने के बाद रनवे की गहन सफाई की जाती है और जरूरी मरम्मत का काम पूरा किया जाता है। इस काम में रनवे की सतह साफ करना, दरारें भरना, नई मार्किंग करना और लाइटिंग व्यवस्था की पूरी जांच शामिल होती है। एयरपोर्ट अधिकारियों ने पायलटों को पहले ही नोटिस यानी नोटम जारी कर दिया था। इस नोटिस की वजह से सभी एयरलाइंस को अपनी उड़ानें पहले से प्लान करने का पूरा मौका मिल गया।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com